मौत का तूफान

एलियाज हुसैन समेत 16 को सुरक्षित निकाला गया, चार मौतों की पुष्टि

बरगी डैम में... आंधी में क्रूज पलटा, रेस्क्यू जारी

कई अब भी लापता, मंत्री मौके पर, मुआवजा घोषित, पर्यटन व्यवस्था पर गंभीर सवाल

बरगी डैम की शांत जलराशि गुरुवार को अचानक मातम में बदल गई, जब तेज आंधी-तूफान के बीच पर्यटकों से भरा एक क्रूज असंतुलित होकर पलट गया। कुछ ही मिनटों में क्रूज पानी में समा गया और चीख-पुकार के बीच कई जिंदगियां लहरों में डूब गईं। हादसे के बाद से जारी राहत और बचाव कार्य के बीच देर शाम एक और व्यक्ति को जीवित बाहर निकाला गया, जिसने अपना नाम एलियाज हुसैन बताया है। इस ताजा रेस्क्यू से उम्मीद की एक किरण जरूर जगी है, लेकिन कई परिवार अब भी अपने अपनों की तलाश में डैम किनारे टकटकी लगाए खड़े हैं।

हरिभूमि जबलपुर। प्रशासन के अनुसार क्रूज में करीब 29 लोग सवार थे। अब तक चार लोगों की मौत की पुष्टि की जा चुकी है, जबकि 15 यात्रियों को पहले ही सुरक्षित बाहर निकाला गया था। अनामिका सोनी, समृद्धि सोनी, आराध्या सोनी घायल हैं। वहीं मृतकों में विराज सोनी, नीतू सोनी, सौभाग्यम, 62 वर्षीय मधुर हैं। मेरिना, तशांत लापता शामिल हैं। शेष लापता लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है।

तेज आंधी बनी हादसे की वजह, कुछ ही मिनटों में पलटा क्रूज-

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवाएं चलने लगीं। इससे पहले कि क्रूज चालक स्थिति को संभाल पाता, तेज झोंकों ने संतुलन बिगाड़ दिया। क्रूज डगमगाया और देखते ही देखते पानी में पलट गया। कई यात्री संभल ही नहीं पाए और सीधे गहरे पानी में गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसा इतना अचानक हुआ कि किसी को लाइफ जैकेट पहनने या सुरक्षा उपाय अपनाने का मौका तक नहीं मिला। चीख-पुकार के बीच कुछ लोग तैरकर किनारे पहुंचे, जबकि कई लहरों में समा गए।

प्रशासनिक अमला मौके पर, युद्धस्तर पर रेस्क्यू

घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया। पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय और कलेक्टर राघवेंद्र सिंह स्वयं मौके पर पहुंचे और राहत कार्य की कमान संभाली। उनके साथ पुलिस, होमगार्ड, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय गोताखोरों की टीमों ने संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

16 को सुरक्षित बचाया

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने बताया कि क्रूज में सवार यात्रियों को सुरक्षित निकालना हमारी प्राथमिकता है। अब तक 16 लोगों को बचाया जा चुका है और हाल ही में एलियाज हुसैन नामक व्यक्ति का रेस्क्यू किया गया है। शेष लोगों की तलाश के लिए गोताखोरों और विशेष टीमों को लगाया गया

है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कहा कि प्रशासन पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रहा है और हर संभव संसाधन झोंक दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है और मौके पर मेडिकल टीम लगातार निगरानी कर रही है।

मंत्री राकेश सिंह पहुंचे, मुआवजा घोषित

हादसे की गंभीरता को देखते हुए लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह डुमना एयरपोर्ट से सीधे बरगी डैम पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सर्च ऑपरेशन में तेजी लाने के निर्देश दिए। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही घायलों के समुचित उपचार के निर्देश भी दिए गए हैं।

जनप्रतिनिधियों समेत आला अधिकारी मौके पर

मौके पर सांसद आशीष दुबे, विधायक नीरज सिंह, संतोष वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोंटिया, संभागायुक्त धनंजय सिंह, आईजी प्रमोद वर्मा, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, सहित प्रशासनिक और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी बनी रही।

पर्यटन विभाग की लापरवाही पर उठे गंभीर सवाल

इस दर्दनाक हादसे ने पर्यटन विभाग और क्रूज संचालन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि क्रूज में क्षमता से अधिक लोग सवार थे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि खराब मौसम की चेतावनी के बावजूद क्रूज को संचालन की अनुमति क्यों दी गई?

नियमों की अनदेखी बनी वजह

स्थानीय लोगों का आरोप है कि बरगी डैम में पर्यटन गतिविधियों के नाम पर लंबे समय से नियमों की अनदेखी हो रही है। ओवरलोडिंग, निगरानी की कमी और सुरक्षा उपकरणों की लचर व्यवस्था पहले भी चिंता का विषय रही है, लेकिन जिम्मेदार विभागों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

परिजनों का दर्द, हर पल भारी

डैम किनारे खड़े परिजनों के चेहरे पर चिंता, भय और उम्मीद के मिश्रित भाव साफ देखे जा सकते हैं। किसी की आंखें अपनों को तलाश रही हैं, तो कोई हर गुजरते पल के साथ टूटता जा रहा है। एक परिजन ने भावुक होकर कहा, बस एक बार सही-सलामत मिल जाएं, यही दुआ है। यह दृश्य न केवल प्रशासन के लिए चुनौती है, बल्कि व्यवस्था की कमियों का आईना भी है।

जांच के बाद तय होगी जिम्मेदारी

मंत्री राकेश सिंह ने स्पष्ट किया है कि राहत एवं बचाव कार्य पूर्ण होने के बाद इस पूरे मामले की विस्तृत जांच कराई जाएगी। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात भी कही गई है। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है और हर नई जानकारी के साथ उम्मीदें और आशंकाएं दोनों बढ़ रही हैं।

कई सवाल अब भी

बरगी डैम का यह हादसा एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर गया है कि क्या पर्यटन के नाम पर सुरक्षा से समझौता किया जा रहा है? जब तक लापता लोगों का पता नहीं चल जाता, तब तक यह त्रासदी अधूरी रहेगी। लेकिन एक बात स्पष्ट है इस घटना ने कई परिवारों की खुशियां छीन ली हैं और प्रशासन के सामने जवाबदेही का बड़ा प्रश्न खड़ा कर दिया है।

नहीं तो टाला जा सकता था हादसा

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता, तो इस हादसे को टाला जा सकता था। लाइफ जैकेट की उपलब्धता, यात्रियों को सुरक्षा निर्देश, मौसम पूर्वानुमान की अनदेखी और आपातकालीन तैयारी जैसे मुद्दे अब जांच के केंद्र में हैं।

टिकट काउंटर बंद, भीड़ बेकाबू

रेलवे की लापरवाही से बढ़ी अव्यवस्था

जबलपुर।

मदन महल रेलवे स्टेशन पर इन दिनों अव्यवस्था चरम पर है। स्टेशन पर मौजूद 5 टिकट काउंटरों में से एक काउंटर बंद होने के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। काउंटर कम होने से टिकट लेने वालों की लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा दिक्कत तत्काल टिकट के समय देखने को मिल रही है। सीमित समय में टिकट लेने के लिए अचानक भारी भीड़ उमड़ पड़ती है, जिससे हालात बेकाबू हो जाते हैं। टिकट खिड़की

के सामने धक्का-मुक्की और बहस की स्थिति बन जाती है। कई बार तो लोगों के बीच झगड़े जैसी नौबत भी आ जाती है। इस अव्यवस्था का सबसे ज्यादा असर महिला और बुजुर्ग यात्रियों पर पड़ रहा है। लंबी कतार और भीड़ के बीच उन्हें असहज और असुरक्षित महसूस करना पड़ता है। कई लोग बिना टिकट लिए ही वापस लौटने को मजबूर हो रहे हैं।

यात्रियों का आरोप है कि भीड़ के बावजूद रेलवे प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। काउंटर बंद होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कमी भी साफ नजर आ रही है, जिससे हालात और बिगड़ रहे हैं।

यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि बंद पड़े काउंटर को तुरंत चालू किया जाए और भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की जाए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर यात्रियों को राहत दी जाए, ताकि स्टेशन पर व्यवस्था सामान्य हो सके।

नर्मदा स्नान के बाद कान्हाजी रास्ते में हुए गुम

जबलपुर। नरसिंह पूर्णिमा के पुण्य अवसर पर नर्मदा स्नान के बाद रास्ते में लड्डू गोपाल जी के अचानक गुम हो जाने से कृष्णजी का भक्त परिवार बेहद ही व्यथित और दुखी है। पुश्तैनी और पुरखों से चले आ रहे भगवान कृष्ण जी के बाल रूप लड्डू गोपाल को पारंपरिक रूप से नर्मदा स्नान कराने के लिये परिजन नरसिंह पूर्णिमा के अवसर पर ले गये थे। पीढ़ियों से भगवान श्री कृष्ण जी की पूजा कर रहे परिजनों ने बताया कि लड्डू गोपाल को पारंपरिक स्नान और पूजा के बाद घर लौटते समय ग्वारीघाट से गढ़ा फाटक के बीच गुम हो गये। पीतल धातु के लड्डू गोपाल पीतांबर वस्त्र धारण किये हुए हैं। गढ़ा फाटक, शंकर घी भंडार के पास निवासी रितिका कलेक्शन प्रतिष्ठान से जुड़े परिजनों ने आमजन से अनुरोध किया है कि जिसे भी लड्डू गोपाल मिले हैं परिजनों को वापस कर पुण्य लाभ अर्जित कर प्रसाद ग्रहण करें।

संभागायुक्त ने उपार्जन केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

जबलपुर। संभागायुक्त धनंजय सिंह भदौरिया ने गुरुवार को शहपुरा तहसील के मजीठा और खिरकाखेड़ा स्थित गेहूं उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर राघवेंद्र सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त ने शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप चेकलिस्ट के आधार पर उपार्जन प्रक्रिया की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने खरीदी केंद्रों पर भंडारण और व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए निर्देश दिए कि गेहूं का उपार्जन पूरी तरह शासन की नीति के अनुसार ही किया जाए।संभागायुक्त ने कहा कि खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिए छाया, पेयजल, छन्ना (साफ-सफाई उपकरण) और फायर सेफ्टी जैसे सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध रहना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि स्लॉट बुकिंग के अनुसार ही किसानों की खरीदी सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या असुविधा न हो और प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे।

किसानों की सुविधा, पारदर्शिता और गेहूं की सुरक्षा पर दिया जोर, अधिकारियों को सख्त निर्देश

वर्षा से बचाव के लिए विशेष सतर्कता के निर्देश

बदलते मौसम को देखते हुए संभागायुक्त ने आकस्मिक वर्षा की स्थिति में उपार्जित गेहूं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि खरीदे गए गेहूं का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे फसल को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे।नोडल अधिकारियों की नियुक्ति से होगी सतत मॉनिटरिंगउपार्जन कार्य की निगरानी के लिए जिला स्तर से लेकर प्रत्येक केंद्र तक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जबलपुर में इस जिम्मेदारी के लिए ऋषभ जैन को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा नरसिंहपुर में गजेन्द्र नागेश, छिंदवाड़ा में धीरेन्द्र सिंह, सिवनी में सीएल चनाप, बालाघाट में जीएस धुर्वे, मंडला में शाश्वत सिंह मीणा, डिंडोरी में जेपी यादव, कटनी में हरसिमरनप्रीत कौर तथा पांढुर्णा में मेघा शर्मा को नोडल अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। इसके साथ ही संभाग के सभी जिलों के जिला आपूर्ति अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। संभागायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे नियमित रूप से उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करें और शासन की नीति के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

तेज हवाओं के बीच बूंदाबांदी से मौसम बदला

जबलपुर। हरियाणा के ऊपर एक चक्रवात है और दूसरा चक्रवात, दक्षिणी छत्तिसगढ़ के ऊपर बना हुआ है। जिससे तापमान स्थित रहेगा और झोंकेदार हवाएं चल सकती है। जिले में कहीं कहीं वर्षा या गरज चमक के साथ बौछारें भी पड़ सकती हैं। इसके साथ ही पारा औसत से दो डिग्री नीचे उतरकर 38 डिग्री पर स्थिर हो गया। मौसम विभाग का कहना है कि अभी दो दिनों तक मौसम इसी प्रकार रहेगा। आसमान पर बादल छाए रहेंगे, तेज हवाएं चलेंगी और तापमान में आंशिक गिरावट देखी जाएगी। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक देवेन्द्र तिवारी ने ईएमएस को बताया कि दो छोटे छोटे सक्रिय हैं। उत्तर पश्चिमी दिशा से काल बैसाखी सक्रिय हुई है। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक 15 अप्रैल से 15 मई तक के समय काल को काल बैसाखी कहा जाता है। यह उत्तर पश्चिमी दिशा से उठता है और 5-7 मिनट में हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रतिमिनट होकर कहीं कहीं वज्रपात और बूंदाबांदी करता है।

काल बैसाखी का चक्रवात सक्रिय, वर्षा की संभावना

मौसम में बदलाव पश्चिमी विक्षोभ का असर है। एक चक्रवात हरियाणा के ऊपर और दूसरा चक्रवात दक्षिणी छत्तीसगढ़ के ऊपर बन चुका है। जबलपुर में गुरुवार की शाम अचानक तूफानी हवाएं चली और हल्की बूंदाबांदी हुई। फिलहाल गर्मी से लोगों को कोई राहत नहीं है। सूर्य की तेज ऊष्णता के कारण गर्मी का प्रभाव बरकरार है। दिन में गर्मी से बचाव के तमाम प्रयासों के बावजूद तनबदन पसीने से तरबतर हो रहा है। रात में उमस बेचैन किये रहती है। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि सोमवार को आसमान में बादलों की हुई आवाजाही के बाद हवाओं ने भी रूख बदल लिया। पश्चिमी हवायें चलने और बादलों के छाने के परिणामस्वरूप तापमान की उछाल पर ब्रेक लगा हुआ है। पिछले तीन दिनों से 40 से 41 डिग्री के बीच झूल रहा था। लेकिन दिन में सूर्य की तेज तापमान के कारण शाम को धरती उमस छोड़ रही है। सूर्यास्त के बाद शाम ढलते ही उमस लोगों को बेचैन करने लगती है। उमस के कारण रात में भी हवा में शीतलता नहीं रहती। यही वजह है कि कूलर-पंखों की हवा भी राहत नहीं दे पा रहे हैं। इस बीच बादलों की आवाजाही से पारे में गिरावट आई है। फिर भी गर्मी के असर में कोई कमी नहीं आई है। पिछले 24 घंटे के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 38.04 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम और न्यूनतम तापमान 28.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 43 प्रतिशत और सायंकाल 28 प्रतिशत आंकी गई। अगले 24 घंटों के दौरान जिले के अनेक स्थानों पर तेज हवाओं के बीच गरज चमक की संभावना है। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तामपान 39.00 और न्यूनतम तापमान 23.00 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। उत्तर पश्चिमी हवाएं 4 से 5 किलोमीटर की रफ्तार से चलीं। प्रदेश में सबसे अधिक 43.08 डिग्री तापमान सीधी में दर्ज किया गया।

तीन दिन आंशिक रूप से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

जबलपुर। शहरवासियों को अगले तीन दिनों तक पानी की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। जबलपुर नगर निगम के जल विभाग द्वारा भोंगाद्वार जल शोधन संयंत्र में महत्वपूर्ण सफाई कार्य किए जाने के कारण 1 मई से 3 मई 2026 तक आंशिक रूप से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। नगर निगम के अधीक्षण यंत्री एवं जल विभाग प्रमुख कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि संयंत्र के अंतर्गत स्थापित क्लियर वॉटर टैंक रिजरवॉयर की सफाई का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के चलते संबंधित टंकियों से नियमित जल आपूर्ति प्रभावित होगी।उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद नहीं रहेगी, बल्कि वैकल्पिक व्यवस्था के तहत टैंक बायपास सप्लाई और टैंकरों के माध्यम से जल उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि नागरिकों को कम से कम परेशानी हो।इस दौरान नागरिकों को होने वाली असुविधा पर महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', जल प्रभारी दामोदर सोनी एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने खेद व्यक्त किया है और सहयोग की अपील की है। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे पानी का संग्रहण पहले से कर लें और जल का उपयोग सोच-समझकर करें, ताकि इस अवधि में किसी प्रकार की गंभीर परेशानी न हो।

आलीशान सफर के एक टिकट की कीमत 18 लाख से भी अधिक

नई दिल्ली। रेगिस्तान की तपती धूप, सुनहरी रेत और शाही ठाठ, इन सबका मेल जब एक ही सफर में मिल जाए, तो अनुभव किसी सपने से कम नहीं लगता। राजस्थान की पहचान बन चुकी लग्जरी ट्रेन पैलेस ऑन व्हील्स एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन इस बार वजह कुछ अलग है। करीब 45 साल के इतिहास में पहली बार यह शाही ट्रेन मई की भीषण गर्मी में भी पर्यटकों को राजस्थान की सैर कराने जा रही है। अब तक यह ट्रेन केवल सर्दियों या सुहा वने मौसम में ही चलाई जाती थी, लेकिन बदलते हालातों और पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से यह नया कदम उठाया गया है। जानकारी के अनुसार, इस खास यात्रा के लिए एक राष्ट्रीयकृत बैंक ने अपने 84 सदस्यों के लिए पूरी ट्रेन को चार्टर बुक किया है। यह शाही सफर 20 मई को दिल्ली से शुरू होगा और 21 मई की सुबह जयपुर पहुंचेगा। जयपुर में मेहमानों के स्वागत के लिए भव्य तैयारियां की जा रही हैं, ताकि यात्रियों को शुरुआत से ही रॉयल फील मिल सके। पर्यटन विशेषज्ञ इसे एक सकारात्मक संकेत मान रहे हैं, क्योंकि हाल के समय में अंतरराष्ट्रीय हालात, खासतौर पर मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के चलते विदेशी पर्यटकों की संख्या में गिरावट देखी गई है।

गर्मी को देखते हुए खास इंतजाम

मई की तेज गर्मी को ध्यान में रखते हुए ट्रेन के अंदर सुविधाओं में भी बदलाव किए गए हैं। खासतौर पर खाने-पीने के मेन्यू को पूरी तरह से रीडिजाइन किया गया है, ताकि यात्रियों को सफर के दौरान ठंडक और राहत महसूस हो। इस बार ट्रेन जिस-जिस शहर से गुजरेगी, वहां के मशहूर ठंडे व्यंजन यात्रियों को परोसे जाएंगे।

स्वाद में भी मिलेगा शाही अंदाज

ट्रेन के प्रवक्ता हृदयेश चानसोनिया और हेड शेफ राजेंद्र के मुताबिक, यात्रियों के लिए खास तौर पर ऐसे पेय और डेजर्ट तैयार किए गए हैं जो गर्मी से राहत दें। सवाई माधोपुर में आम का पन्ना, चित्तौड़गढ़ में गुलाब की ठंडी खीर, उदयपुर में ठंडाई और जैसलमेर में ऑरेंज ड्रिंक जैसे रिफ्रेशिंग विकल्प मिलेंगे। वहीं जयपुर पहुंचने पर मेहमानों को पारंपरिक लस्सी, कुल्फी और फालूदा का स्वाद भी चखने को मिलेगा, जो इस सफर को और यादगार बना देगा।

कितना है किराया?

जहां सुविधाएं शाही हैं, वहीं इसका किराया भी आम लोगों की पहुंच से काफी दूर है। पैलेस ऑन व्हील्स देश की सबसे महंगी ट्रेनों में गिनी जाती है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, प्रेसिडेंशियल सुइट का किराया लगभग 2.67 लाख रुपये प्रतिदिन है, जो पूरे 7 रात और 8 दिन के पैकेज के लिए करीब 18.7 लाख रुपये तक पहुंच जाता है। इसी तरह सुइट श्रेणी में प्रति दिन करीब 2.18 लाख रुपये और पूरे पैकेज के लिए लगभग 15.3 लाख रुपये खर्च करने होते हैं। सुपर डीलक्स केबिन में सफर करने के लिए करीब 1.95 लाख रुपये प्रतिदिन या पूरे टूर के लिए लगभग 13.6 लाख रुपये चुकाने पड़ते हैं।

रोचक खबरें

वैज्ञानिकों ने खोजी 18 करोड़ साल पुरानी डॉल्फिन, 21 फीट थी लंबी

वॉशिंगटन। दुनिया में कई ऐसे रहस्य छिपे हैं, जिनके बारे में जानने के बाद लोग हैरान रह जाते हैं। वैज्ञानिक हर समय किसी न किसी नई खोज के बारे में लगे रहे हैं। इस बीच एक नई खोज ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। दावा किया जा रहा है कि पुरातत्वविदों ने जर्मनी के उत्तरी इलाके में एक क्ले पिट (मिट्टी की खदान) से करीब 18 करोड़ साल पुराने इक्थियोसॉर के जीवाश्म की खोज की है। बताया जाता है कि यह विशाल समुद्री सरीसृप डॉप्लफिन केक आकार का था और जुरासिक काल में समुद्रों में इसका आतंक माना जाता था। खोजकर्ता बताते हैं कि यह जीवाश्म टेम्नोडोंटोसॉरस नामक इक्थियोसॉर की प्रजाति से जुड़ा हुआ है। यह अपनी विशाल काया और तेज दांतों के लिए भी जाना जाता है। एक अनुमान के अनुसार, यह प्राणी उस वक्त करीब 21 फीट लंबा हुआ करता था। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह जीवाश्म मिस्टेलगाऊ क्ले पिट से मिला है और इसमें जबड़े के जोड़ों पर गंभीर चोट के निशान हैं। बहुत घिसे हुए दांत और पेट में गैस्ट्रोलिथ्स भी मिली हैं। वैज्ञानिक मान रहे हैं कि यह प्राणी गंभीर चोटों के बावजूद लंबे समय तक जीवित रहा, जो अपने आप में बहुत खास है। कुछ समय में चोटों के साथ शिकार करना उसके लिए काफी मुश्किल हो गया > इस नई रिसर्च को लेकर एसएनएसबी के पैलियोन्टोलॉजिस्ट डॉ. उलराइके अल्बर्ट का कहना है कि यह शोध अभी तक के मिले सबसे युवा जीवाश्मों में से एक है। उन्होंने बताया कि इस खोज से पता चलता है कि ये बड़े समुद्री सरीसृप दक्षिण-पश्चिम जर्मन बेसिन में पहले सोचे गए समय से भी अधिक समय तक जीवित रहे।

समुद्र में रहने वाली डुगोंग गाय एक दिन में खा जाती है 40 किलो घास

नई दिल्ली। समुद्र की दुनिया बेहद रहस्यमयी है। इसमें कई ऐसे जीव रहते हैं, जिनके बारे में जानकर लोगों के होश उड़ जाते हैं। इसी तरह का एक जीव डुगोंग है, जो एक शाकाहारी समुद्री स्तनपायी है। यह शांत प्रकृति और अनोखी आदतों वाला जीव है। यह डॉल्फिन की तरह दिखता है। इस जीव को सी काउ यानी समुद्री गाय कहा जाता है। यह समुद्र के नीचे गायों की तरह घास चरता है। यह समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित करने में मदद करता है। विज्ञान कहता है कि डुगोंग हाथी का करीबी रिश्तेदार है। यह बेहद साधी जीव है, जिसका कोई शिकारी आसानी से शिकार करता सकता है। डुगोंग दुनिया का इकलौता समुद्री स्तनधारी जीव है और यह पूरी तरह से शाकाहारी है। यह समुद्र के अंदर उगने वाली घास (सीग्रास) को खाता है और जीवत रहता है। गाय की तरह दिखने की वजह से इसे सी काउ कहा जाता है। सबसे खास बात यह है कि गाय की तरह घास भी चरता है। डुगोंग की भूख सबसे खास होती है। एक बड़ा डुगोंग हर दिन करीब 30 से 40 किलो तक समुद्र में उगने वाली घास को खा जाता है। डुगोंग का समुद्र में रहने वाली व्हेल या डॉल्फिन से करीबी रिश्ता नहीं है। यह जीव हाथी का करीब माना जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह दोनों एक ही समुह से संबंधित हैं। इसके कारण इसकी शरीर की कुछ बनावटें हाथी से मिलती हैं। यह जीव करीब 70 वर्ष जीवित रह सकता है। इसकी प्रजनन प्रक्रिया बहुत धीमी है, जिससे संख्या धीरे-धीरे बढ़ती है।

अद्भुत

टूरिस्ट्स के बीच तेजी से बढ़ रही है इस जगह की डिमांड

वो देश, जहां एक साथ ले सकते हैं दुबई सिंगापुर और नॉर्थ कोरिया का मजा!

क्या आपने कभी सुना है किसी ऐसे देश के बारे में जहां जाने के बाद आपको एक साथ दुबई की जगमगाती लग्जरी, सिंगापुर की साफ-सुथरी आधुनिकता और नॉर्थ कोरिया जैसा सख्त, बंद और नियंत्रित शासन महसूस हो? यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि मध्य एशिया का रहस्यमयी देश तुर्कमेनिस्तान है। इस देश की राजधानी आश्गाबात को 'सफेद संगमरमर का शहर' कहा जाता है। यहां गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है–

अश्गाबात। दुनिया में सबसे ज्यादा सफेद संगमरमर वाली इमारतों की संख्या का। सिर्फ 22 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 543 इमारतों पर 45 लाख वर्ग मीटर से ज्यादा सफेद संगमरमर लगा हुआ है। हर तरफ चमचमाते महलनुमा भवन, सुनहरी मूर्तियां, विशाल फव्वारे और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर दुबई और सिंगापुर की याद दिलाते हैं। लेकिन, सतह के नीचे छिपा है नॉर्थ कोरिया जैसा सख्त शासन, व्यक्ति पूजा और बंद देश की व्यवस्था. अपने अद्भुत इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से ये देश लोगों के बीच काफी मशहूर हो रहा है।

अद्भुत संगम का देश

पूर्व राष्ट्रपति सपरमुरत नियाजोव (तुर्कमेंबाशी) और उनके बाद गुरबांगुली बर्दीमुहमेदोव ने देश को इस अनोखे रूप में ढाला है। पूरे शहर में नेता की तस्वीरें, सुनहरी मूर्तियां और भव्य स्मारक हर जगह दिखते हैं। सड़कें अचानक खाली हो जाती हैं, हर गतिविधि पर सरकार की नजर रहती है। बाहर से आने वाले पर्यटकों को सरकारी गाइड के साथ घूमना अनिवार्य है। मोबाइल, इंटरनेट और विदेशी मीडिया पर सख्ती है। यही वजह है कि इसे 'मध्य एशिया का नॉर्थ कोरिया'भी कहा जाता है। लेकिन, तुर्कमेनिस्तान का सबसे चौंकाने वाला और डरावना आकर्षण है कराकुम रेगिस्तान में स्थित दर्वाजा गैस क्रेटर, जिसे नर्क का द्वार भी कहा जाता है। 1971 में सोवियत संघ के इंजीनियरों ने गैस की खुदाई करते समय गलती से एक बड़े गैस के गुहा को तोड़ दिया था। छत गिर गई और विशाल गड्ढा बन गया। गैस रिसाव को रोकने के लिए इसे आग लगा दी। उम्मीद थी कि कुछ दिनों में गैस जलकर खत्म हो जाएगी। लेकिन 54 साल बीत गए, गड्ढा अभी भी जल रहा है।

टूरिज्म को मिला बढ़ावा

हाल के वर्षों में तुर्कमेनिस्तान सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने की कोशिश शुरू की है। 2025-2026 में ई-वीजा और कुछ छूट के साथ विदेशी टूरिस्ट्स की संख्या बढ़ रही है। हालांकि, हालिया खबरें बताती हैं कि क्रेटर की लपटें काफी कम हो गई हैं। तुर्कमेंगाज कंपनी के वैज्ञानिकों ने 2025 में घोषणा की कि आसपास नए कुएं खोदकर गैस को डायवर्ट किया जा रहा है। लपटें पहले से तीन गुना कम हो चुकी हैं। फिर भी यह जगह अभी भी दुनिया के सबसे अनोखे प्राकृतिक (या कहें मानव-निर्मित) आश्चर्यों में से एक बनी हुई है। तुर्कमेनिस्तान प्राकृतिक गैस के भंडार से भरपूर है। लेकिन, 80 प्रतिशत से ज्यादा इलाका रेगिस्तान है। बाहर की दुनिया से लगभग कटा हुआ यह देश बहुत कम पर्यटकों को स्वीकार करता था। अब धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। फिर भी यात्रा आसान नहीं है। आपको सरकारी टूर ऑपरेटर के जरिए ही जाना पड़ता है। आश्गाबात में सबसे बड़ा झंडा स्तंभ, सबसे बड़ा इनडोर फेरिस व्हील और कई अन्य गिनीज रिकॉर्ड भी है। शहर की सफाई और अनुशासन देखकर हैरानी होती है। लेकिन, यह चकाचौंध सिर्फ राजधानी तक सीमित है। बाकी देश अभी भी गरीबी, रेगिस्तान और पुरानी जीवनशैली से जूझ रहा है।

ग्रीन मैन का नारियल जुगाड़, तपती गर्मी में ऐसे बचा रहा है परिंदों की जान

जयपुर। राजस्थान की झुलसाती गर्मी में जहां इंसानों का हाल बेहाल हो जाता है, वहां बेजुबान पक्षियों के लिए जिंदगी और भी मुश्किल हो जाती है। लेकिन, इसी तपती धरती पर एक शख्स ने उम्मीद की ऐसी मिसाल पेश की है, जो न सिर्फ दिल छू लेती है बल्कि इंसानियत पर भरोसा भी बढ़ा देती है। राजस्थान के बाड़मेर में गर्मियों के दौरान तापमान अक्सर 50C के पार पहुंच जाता है। ऐसी भीषण गर्मी में जहां पानी के स्रोत सूख जाते हैं और पेड़ों की छांव भी राहत नहीं दे पाती, वहीं पक्षियों के लिए जिंदा रहना किसी चुनौती से कम नहीं होता। इसी मुश्किल वक्त में स्थानीय पर्यावरण प्रेमी नरपत सिंह राजपुरोहित, जिन्हें 'ग्रीन मैन' के नाम से जाना जाता है, एक अनोखी पहल के साथ सामने आए हैं।

नारियल के खोल से बना ठंडा आशियाना

नरपत सिंह फेंके गए नारियल के खोल को इकट्ठा कर उन्हें पक्षियों के लिए घोंसले में बदल देते हैं। ये खोल प्राकृतिक रूप से ठंडे रहते हैं, जिससे ये प्लास्टिक या धातु के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित और आरामदायक आश्रय बन जाते हैं। इन घोंसलों को पेड़ों पर टांगा जाता है, जहां पक्षियों को तेज धूप से राहत मिलती है और उन्हें सुरक्षित जगह मिलती है। खास बात यह है कि ये पूरी तरह इको-फ्रेंडली और बेहद कम लागत में तैयार हो जाते हैं।

सोने में महारथी होते हैं ये समुद्री ऊदबिलाव

न्यूयार्क। समुद्री ऊदबिलाव दुनिया के सबसे प्यारे समुद्री जानवरों में से एक है। लेकिन, उनकी पारिवारिक और प्रेम संबंध की कहानी काफी चौंकाने वाली है। नर ऊदबिलाव को 'दुनिया का सबसे बेवफा पति' इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये एक साथी के साथ ज्यादा समय तक नहीं रहते। वे अक्सर अपनी मादा साथी का हाथ पकड़कर सोते हैं, लेकिन अलग होते ही नई मादा की तलाश शुरू कर देते हैं।

ये जानवर रात में या आराम के समय 'राफ्टिंग' नामक व्यवहार करते हैं। इसमें कई ऊदबिलाव एक साथ समूह बनाकर पानी पर तैरते हैं और एक-दूसरे का हाथ (पंजा) पकड़ लेते हैं। इससे लहरों में वे अलग नहीं होते। मां और बच्चा अक्सर हाथ पकड़कर सोते हैं। जोड़े भी यही करते हैं। ये व्यवहार इतना प्यारा लगता है कि लोग इसे सच्ची मोहब्बत समझ बैठते हैं। लेकिन, हकीकत थोड़ी अलग है।

ढूंढने की नहीं करते कोशिश : नर समुद्री ऊदबिलाव क्षेत्रीय होते हैं। वे एक खास इलाके पर कब्जा जमाए रखते हैं और उस इलाके में आने वाली कई मादाओं के साथ संबंध बनाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार ये पूरी तरह एक पत्नी वाला पति नहीं होते। अगर कोई मादा अलग हो जाए या नर का ध्यान दूसरी ओर चला जाए तो वे आसानी से नई साथी चुन लेते हैं। इस वजह से उन्हें सबसे बेवफा जानवरों की लिस्ट में रखा जाता है। समुद्री ऊदबिलाव सोने में भी बेहद माहिर होते हैं। वे दिन में 10 से 12 घंटे तक सो सकते हैं।

छिपकलियों की तरह दिखते थे सांपों के पूर्वज

रेंगते नहीं, पैरों पर चलते थे सांप... खुल गया करोड़ों साल पुराना राज

ब्यूनस आयर्स। सांपों की दुनिया रहस्यों से भरी है। इसी दुनिया का एक राज सामने आया जिसने सबको नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया। आपके मन में भी कभी न कभी ये सवाल जरूर आया होगा कि क्या सांप के पैर होते हैं या नहीं होते। इसी रहस्य से वैज्ञानिकों ने पर्दा उठा दिया है और एक ऐसा सच सामने रख दिया, जिसे जान लोगों की नींद उड़ गई। अर्जेंटीना और अल्बर्टा विश्वविद्यालय के पुराजीविज्ञानी ने एक खोज की है। वैज्ञानिकों को 10 करोड़ वर्ष पुराने सांप का जीवाश्म मिला। इस जीवाश्म पर अध्ययन कर वैज्ञानिक इस नतीजे पर पहुंचे कि सांपों के भी पैर हुआ करते थे।

साइंस डेली की एक रिपोर्ट के अनुसार, अर्जेंटीना और अल्बर्टा विश्वविद्यालय की रिसर्च से ये बात साफ हो गई कि सांपों के भी पैर हुआ करते थे। करोड़ों साल पहले दुनिया में पैर वाले सांप भी होते थे।

क्या है पैरों वाले सांप का नाम?

वैज्ञानिकों ने इस सांप को 'नज्जाश' नाम दिया है। इस सांप के जीवाश्म में पैर साफ तौर पर दिखाई दिए। इतना ही नहीं, सांप के जबड़े और सिर की बनावट भी आज के सांप और छिपकलियों के बीच की लिंक की तरह हैं।

कब था ये सांप?

दरअसल, जिस सांप के जीवाश्म पर वैज्ञानिकों ने अध्ययन किया वो सांप उस समय का है, जब सांप अपने पैरों को खो रहे थे और रेंगने वाले सांपों के रूम में डेवलप हो रहे थे। इसके अलावा एक थ्यौरी खूब चर्चा में रहती है कि सांपों का विकास समुद्र से हुआ या जमीन से। इस खोज ने जमीन से सांपों के विकास वाली कहानी को और मजबूती दी है।

रिसर्च

अनियोजित विकास से पानी का बहाव काफी रुक रहा

जमीन धंस रही और समुद्र बढ़ रहा... चेन्नई के लाखों लोगों पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली। दुनिया के अधिकांश हिस्सों में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव देखने को मिल रहा है। इस बीच वैज्ञानिकों का मानना है कि चेन्नई की जमीन हर साल 1.5 सेंटीमीटर तक धंस रही है और समुद्र का स्तर हर साल 2.8 मिलीमीटर बढ़ रहा है। यह एक बड़े खतरे का संकेत है।

जानकार मानते हैं कि अगर ऐसा ही होता रहा, तो आने वाले 25 सालों में करीब 10 लाख से अधिक लोग बाढ़ के उच्च जोखिम वाले इलाकों में आ सकते हैं। इसके साथ ही वैज्ञानिक मानते हैं कि इससे शहर के निचले तटीय इलाकों का लगभग एक तिहाई हिस्सा तूफानी लहरों से खतरे में पड़ सकता है।

अनुमान लगाया गया है कि चेन्नई में भीषण बाढ़ के खतरे में रहने वाली आबादी 2030 में 52 लाख से बढ़कर 2050 तक 65 लाख हो जाएगी।

करने होंगे ये उपाय

वैज्ञानिकों का मत है कि आने वाले समय में आपदा से बचने के लिए हमें प्रकृतिक व्यवस्था से कम छेड़छाड़ करना होगा। माना जाता है कि चेन्नई में बार-बार चक्रवात और बाढ़ आती है, इसकी मुख्य वजह आंधाधुंध निर्माण कार्य है। बहुमंजिला इमारतों का निर्माण या अनियोजित विकास से पानी का बहाव काफी रुक रहा है। जिस कारण प्राकृतिक संरचना का नुकसान पहुंच रहा है। इस बात पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है और इसको लेकर सख्त कदम उठाया जाना चाहिए।

अध्ययन में क्या आया सामने?

बता दें कि इस अध्ययन का नेतृत्व मोहाली (पंजाब) स्थित भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के पोस्टडॉक्टोरल भू-वैज्ञानिक अर्पण शास्त्री ने किया है। उन्होंने बताया कि शहर के कई बड़े आवासीय और व्यावसायिक इलाके विनाशकारी बाढ़ के खतरे में हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि चेन्नई के तट पर औसतन हर साल पांच तूफान आते हैं। यही कारण है कि चेन्नई शहर दुनिया के सबसे तूफान-प्रवण इलाकों में से एक है।

ईरान जंग, अमेरिका ने बहाए अरबों डॉलर पेंटागन ने पहली बार गिनाए युद्ध के महाखर्चे

वाशिंगटन। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहली बार आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका अब तक 25 अरब डॉलर (करीब 2.10 लाख करोड़ रुपये) खर्च कर चुका है। यह आंकड़ा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' (NASA) के इस साल के कुल बजट के बराबर है। रायटर्स की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में मध्यावधि चुनाव से ठीक छह महीने पहले आए इन आंकड़ों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। विपक्षी डेमोक्रेट्स ने

इस अलोकप्रिय युद्ध को बढ़ती महंगाई और आम जनता की आर्थिक बदहाली से जोड़ना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, युद्ध की वजह से अमेरिका में गैसोलीन और खाद की कीमतें आसमान छू रही हैं। गैसोलीन की औसत कीमत पिछले चार सालों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

पेंटागन और सांसदों के बीच तीखी बहस : सदन की सशस्त्र सेवा समिति के सामने नियंत्रक जूल्स हर्स्ट ने बताया कि खर्च का बड़ा हिस्सा गोला-बारूद पर खर्च हुआ है।

देश का इकलौता राज्य जहां लोग नहीं भरते इनकम टैक्स

गंगटोक। हर साल बजट आते ही लोगों की उम्मीदें बढ़ जाती हैं कि शायद इस बार टैक्स का बोझ थोड़ा हल्का हो जाए। लेकिन, क्या आपने कभी सुना है कि इसी देश में एक ऐसा राज्य भी है, जहां के लोगों को अपनी कमाई पर टैक्स ही नहीं देना पड़ता? सुनने में यह किसी खास छूट जैसा लगता है, लेकिन यह हकीकत है।यह अनोखी व्यवस्था भारत के पूर्वोत्तर में बसे खूबसूरत राज्य सिक्किम से जुड़ी है।

यहां के स्थानीय निवासियों पर इनकम टैक्स लागू नहीं होता। खास बात यह है कि यह कोई नई नीति या हालिया फैसला नहीं, बल्कि इतिहास और कानून से जुड़ा एक पुराना प्रावधान है।

किन लोगों को मिलती है यह सुविधा?

यह छूट हर किसी के लिए नहीं है। इसका लाभ मुख्य रूप से सिक्किम के मूल निवासियों को मिलता है। साथ ही वे लोग भी इसके पात्र हैं जिनका वहां निवास 26 अप्रैल 1975 से पहले का है। उनकी सैलरी बिजनेस या ब्याज से होने वाली आय टैक्स के दायरे से बाहर रहती है।

इतिहास और कानून से जुड़ा एक पुराना

क्या है इसके पीछे की वजह?

भारतीय आयकर अधिनियम की धारा 10 (26एएए) के तहत सिक्किम के मूल निवासियों को टैक्स से छूट दी गई है। दरअसल, सिक्किम करीब 330 वर्षों तक एक स्वतंत्र रियासत रहा था। बाद में 1975 में इसका भारत में विलय हुआ और यह देश का 22वां राज्य बना। इस विलय के समय यह तय किया गया था कि सिक्किम की पारंपरिक टैक्स व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। यही कारण है कि आज भी वहां के स्थानीय लोगों को अपनी आय पर टैक्स नहीं देना पड़ता।

कब नहीं मिलती यह छूट?

अगर कोई व्यक्ति देश के किसी अन्य हिस्से से जाकर सिक्किम में बसता है, तो उसे यह सुविधा नहीं मिलती। वहीं, सिक्किम का कोई निवासी अगर राज्य से बाहर कमाई करता है, तो उस आय पर उसे सामान्य नियमों के तहत टैक्स देना होता है। यह व्यवस्था जहां सिक्किम के लोगों के लिए एक विशेष अधिकार की तरह है, वहीं बाकी देश में इसे लेकर अलग-अलग राय देखने को मिलती है।

गेहूं की गुणवत्ता जांची, वर्षा से सुरक्षा के लिए दिए सख्त निर्देश

कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्थाएं परखी

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने गुरुवार को शहपुरा के समीप खिरकाखेड़ा स्थित वर्धमान वेयरहाउस में संचालित गोदाम स्तरीय गेहूं खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को शासन के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्वयं गेहूं की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने मॉइस्चर मीटर से नमी का स्तर मापा और तौल कांटे पर बोरियों का वजन भी सत्यापित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपार्जन प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहनी चाहिए।कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। केंद्रों पर बेहतर प्रबंधन और सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश देते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने को कहा।

बारिश से बचाव के लिए विशेष निर्देश

बदलते मौसम और आकस्मिक वर्षा की संभावना को देखते हुए कलेक्टर ने उपार्जित गेहूं की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि खरीदी के तुरंत बाद गेहूं की सुरक्षित स्थानों पर स्टैकिंग की जाए, ताकि बारिश से फसल को नुकसान न हो। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि केवल निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण गेहूं का ही उपार्जन किया जाए।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मुकुंद बायोटेक का भी किया निरीक्षण

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने भेड़ाघाट के पास मजीठा गांव स्थित श्री मुकुंद बायोटेक का भी निरीक्षण किया। यहां भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद और उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान के सहयोग से विभिन्न प्रकार के पौधे तैयार किए जा रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वहां की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया और पौधों की गुणवत्ता व उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि पौध उत्पादन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

समर्पण और निष्ठा की मिसाल रोम बहादुर सेवानिवृत्त

जबलपुर। संस्थान के कर्मठ कर्मचारी रोम बहादुर 37 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा पूर्ण कर 30 अप्रैल को सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर ब्लॉक नंबर 8 स्थित मीटिंग हॉल में गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संपदा सराफ गुर्जर रहीं। साथ ही मो. आरिफ कुरैशी एवं आर.सी. साहू सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने रोम बहादुर की कर्तव्यनिष्ठा और संस्थान के प्रति उनके योगदान की सराहना की। मुख्य अतिथि ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इसी क्रम में प्रभा शंकर दुबे (38 वर्ष सेवा) एवं सत्येन्द्र कुमार जायसवाल (33 वर्ष 6 माह सेवा) भी सेवानिवृत्त हुए। समारोह का समापन भावपूर्ण विदाई के साथ हुआ।

सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी ने पूर्व ऑनररी कप्तान वीके मिश्रा को किया सम्मानित

सिहोरा। जबलपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में उपेन्द्र द्विवेदी ने वी के मिश्रा को सम्मानित किया। सिहोरा (खितौला) निवासी मिश्रा, जो अखिल भारतीय पूर्व सेना सेवा परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व सैनिक सूबेदार ऑनररी कप्तान हैं, को सेवानिवृत्ति के बाद भी कर्तव्यनिष्ठा, कार्यदक्षता और राष्ट्रसेवा में योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। उनके कार्य अन्य पूर्व सैनिकों और नागरिकों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण माने गए।

सीजीएचएस जोनल बैठक में दवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता पर जोर

जबलपुर। केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की जोनल बैठक अपर निदेशक डॉ. ए.के. सुधांशु की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पेंशनर एसोसिएशन के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लेकर समस्याएं रखीं। बैठक में बताया गया कि शहर की 6 डिस्पेंसरियों में डॉक्टरों और स्टाफ की कमी दूर करने के प्रयास जारी हैं। वहीं लाभार्थियों को दी जा रही जेनरिक दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाए गए। प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा लिखी गई दवाओं के स्थान पर अधिकृत केमिस्ट अन्य दवाएं दे रहे हैं, जो नियमों के विरुद्ध है।

इस पर डॉ. सुधांशु ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए कि विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा लिखी गई दवाओं में किसी प्रकार का बदलाव न किया जाए और नियमों का सख्ती से पालन हो। बैठक में दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, ब्रांडेड दवाएं उपलब्ध कराने तथा निजी ईएनटी और आयुर्वेदिक अस्पतालों को सूचीबद्ध करने की मांग भी उठी। बैठक में अजय सिंह, एस.के. बनर्जी, अनिल शुक्ला, गुरमुख दास तलरेजा सहित अन्य प्रतिनिधियों ने समस्याओं से अवगत कराया। अंत में अधिकारियों ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

बुद्ध पूर्णिमा पर गृहे-गृहे यज्ञ अभियान आज

जबलपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा 1 मई 2026 को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। यह विश्वव्यापी आध्यात्मिक अभियान है, जिसका उद्देश्य वातावरण की विकृतियों को दूर कर मानव एवं समस्त प्राणी जगत के कल्याण हेतु यज्ञीय ऊर्जा का प्रसार करना है। गायत्री परिवार ट्रस्ट ने जबलपुर जिले में शहर व तहसीलों को मिलाकर 11 हजार घरों में यज्ञ कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह यज्ञ प्रातः 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक संपन्न होगा, जिसमें एक ही समय, एक ही भावना और उद्देश्य से लाखों घरों में गायत्री मंत्र की आहुतियां दी जाएंगी। ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी बृजबिहारी शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं से इस अभियान में सहभागी बनकर पर्यावरण शुद्धि एवं पारिवारिक सुख-समृद्धि के लिए यज्ञ से जुड़ने की अपील की है।

समर्थन मूल्य से ऊपर खरीदी की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

सिहोरा। किसानों की समस्याओं को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पवन सोनी के संयोजन में कृषि उपज मंडी में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम अमोल चौरसिया के मुख्य आतिथ्य एवं मंजू मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। नुक्कड़ सभा में कांग्रेस नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी सरकार पर किसानों के शोषण और उत्पीड़न के आरोप लगाए। इसके बाद मंडी की कैंटीन, विश्राम गृह और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई गई। कांग्रेसजनों ने मंडी सचिव को ज्ञापन सौंपते हुए समर्थन मूल्य से ऊपर अनाज खरीदी एवं अन्य समस्याओं के निराकरण की मांग की। इस दौरान नगर प्रभारी फिरोज खान सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता एवं किसान उपस्थित रहे।

थाना बंद होने से भटका फरियादी, एसपी कार्यालय पहुंचकर की कार्रवाई की मांग

जबलपुर 21 अप्रैल को भेड़ाघाट थाना बंद होने के कारण फरियादी को शिकायत दर्ज कराने के लिए भटकना पड़ा। पीड़ित विपिन तंतुवाय ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि आशीष शुक्ला एवं शराब ठेकेदार आशीष शिवहरे द्वारा कूटरचित किरायानामा, धोखाधड़ी, जबरन घुसपैठ, लूटपाट और न्यायालय को गुमराह करने जैसी घटनाएं की गई हैं। पीड़ित ने बताया कि 28 दिसंबर 2025 को न्यू फौजी ढाबा के लिए 11 माह का किरायानामा कर एडवांस और किराया राशि ली गई, जिसके बाद अनुबंध तोड़कर अन्य व्यक्ति से भी सौदा कर लिया गया। 20 अप्रैल 2026 को आरोपियों द्वारा ढाबे में घुसकर तोड़फोड़ और लाखों रुपए के सामान की लूट का आरोप भी लगाया गया है। इस संबंध में कन्हैया रामकृष्ण तिवारी के साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भगतसिंह गठौरिया को शिकायत पत्र सौंपकर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। पीड़ित पक्ष ने पूर्व में शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई और शीघ्र वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।

दिगम्बर जैन महिला परिषद की नवीन कार्यकारिणी ने किया शपथ ग्रहण

सिहोरा। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महिला परिषद पार्श्वनाथ शाखा द्वारा प्रांतीय संगठन सचिव संगीता सिंघई के निवास पर बैठक आयोजित कर नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत बड़े बाबा की तस्वीर के समक्ष आशा चौधरी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं णमोकार मंत्र के पाठ से हुई। इसके पश्चात विशिष्ट अधिकारी निशा ने अध्यक्ष संध्या, सचिव रानी, कोषाध्यक्ष दीप्ति, सह सचिव सारिका तथा सह कोषाध्यक्ष नीतू रूपाली को पद एवं दायित्वों की शपथ दिलाई। इस अवसर पर परिषद की विजया, किरण, मुक्ता, जयश्री, सुधा, अनीता, ममता, ऊषा, अल्पना, शालिनी, प्रज्ञा, मेघना, सरिता सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहीं।

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा आज

जबलपुर। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा वैशाख पूर्णिमा 01 मई शुक्रवार को प्रातः 6:00 बजे से निकाली जाएगी, यह 502वीं नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा है। उपस्थिति की अपील संयोजक शीर्ष अग्रवाल, एडवोकेट विनय उपाध्याय, एडवोकेट रवि दुबे, एडवोकेट चंद्रशेखर पटेल, यागवत शुक्ला, एडवोकेट राजेंद्र नामदेव आदि ने की है।

"दिल ढूंढता है" संगीतमय संध्या 2 मई को शहीद स्मारक में

जबलपुर। निनाद ग्रुप एवं महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा "दिल ढूंढता है" नामक विशेष संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन 2 मई 2026, शनिवार को सायं 7 बजे शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में किया जाएगा। कार्यक्रम की परिकल्पना एवं संयोजन सुप्रसिद्ध तबला वादक लोकेश मालवीय एवं नीलम मालवीय द्वारा किया गया है। इस आयोजन में पुराने सदाबहार गीतों को आधुनिक प्रस्तुति शैली और नए प्रयोगों के साथ प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे दर्शकों को एक अनूठा संगीतमय अनुभव मिलेगा। कार्यक्रम में तापसी नागराज, रमेश पुरी गोस्वामी, आर्यन भट्ट, मृदुल घोष, मनोज नाथ, आकाश जैन एवं मंजरी खंडेलवाल सहित शहर के कई प्रतिष्ठित कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे। आयोजकों ने शहर के संगीत प्रेमियों और कला-रसिकों से कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है

श्री रामकृष्ण मिश्रा- ग्राम इमलिया पिपरिया निवासी बालकृष्ण तथा विष्णु मिश्रा के भ्राता श्री रामकृष्ण मिश्रा (82) का निधन हो गया। अंतिम यात्रा आज ग्राम मुक्तिधाम की ओर प्रस्थान करेगी।

श्री सतनाम सिंह राजपाल- प्रेमनगर मदनमहल निवासी श्री सतनाम सिंह राजपाल (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री तेजी लाल रजक- नई बस्ती गौरीघाट निवासी श्री तेजी लाल रजक (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मीरा मोटवानी- छोटी ओमती गुरूद्वारा के पास निवासी श्री चाडूमल मोटवानी की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा मोटवानी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अरूणकांत अग्रवाल- नेपियर टाउन होम साइंस कॉलेज रोड निवासी श्री अरूणकांत अग्रवाल (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रामदुलारी अग्रवाल- ब्यौहारजी का बाड़ा हनुमानताल निवासी श्री भगवानदास अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती रामदुलारी अग्रवाल (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जनक देव यादव- पचपेढ़ी डुमना रोड निवासी श्री जनक देव यादव (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कैलाश कुमार प्रजापति- गोपाल होटल द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री कैलाश कुमार प्रजापति (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अजीत कुमार नाग- जानकी नगर निवासी श्री अजीत कुमार नाग (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुकेश तिवारी- सिद्धबाबा वार्ड साहू मोहल्ला निवासी श्री मुकेश तिवारी (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

कु. मेनका झारिया- बृजमोहन नगर मांडवा रामपुर निवासी श्री नारायण झारिया की पुत्री कु. मेनका झारिया (25) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुकेश कुमार चक्रवर्ती- खाई मोहल्ला हनुमानताल निवासी श्री मुकेश कुमार चक्रवर्ती (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री दिलीप सेन- कोष्टा मंदिर के पास दमोहनाका निवासी श्री दिलीप सेन (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सग्गो बाई कोल- कांचघर श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री विश्राम कोल की धर्मपत्नी श्रीमती सग्गो बाई कोल (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती विमला बाई चौधरी- लाल कुआं पोलीपाथर निवासी श्री प्रभु चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती विमला बाई चौधरी (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम कुमार विश्वकर्मा- मदर टेरेसा नगर माढ़ोताल निवासी श्री राम कुमार विश्वकर्मा (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती शांति भट्टाचार्य- राजुल अपार्टमेंट मदनमहल निवासी श्री शेखरचंद भट्टाचार्य की धर्मपत्नी श्रीमती शांति भट्टाचार्य (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303108294, 9407362100

CHANGE OF NAME

I, was known as Praveen richariya I, have changed the spelling of my surname and hence forth I, shall be known as Praveen Richaria S/o Onkar Richariya Resident of - OM SN-6, Kamla Nehru Ward, Opp. Khandelwal Department, Sneh Nagar, Jabalpur (M. P.) 482002.

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS SHABNAM SHEIKH I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I,SHALL BE KNOWN AS SHABNAM PARVEEN W/O TANVEER AKHTAR SHEIKH RESIDENT OF H.NO. 635/A-1 RAMNAGAR, ADHARTAL, NEAR TANVEER MANZIL JABALPUR (M. P.) 482004.

नाम परिवर्तन सूचना

I, MOHAMMAD MAQBOOL KHAN is legally Father of of ARMY NO- 15708255N Rank-NK, Name-AB QAYOOM KHAN presently residing at Vill-HAJIN,POST- LANGATE, Teh - HANDWARA Distt - KUPWARA State- JAMMU & KASHMIR, PIN- 193302 शपथपूर्वक नि.लि. कथन करता हूं कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम MOHD MAQBOOL KHAN दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम MOHAMMAD MAQBOOL KHAN दर्ज हैं। जो कि सही है यह कि मेरे नाम को पढा व सुना एंव मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र नं EV यह 335055 दिनांक 15-04-26 नोटरी जबलपुर म.प्र.।

सही नाम - MOHAMMAD MAQBOOL KHAN
गलत नाम - MOHD MAQBOOL KHAN

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, प्रीति गुप्ता, उम्र 30 वर्ष, पति श्री नवीन गुप्ता, निवासी- 351, 323 से 351, रामकृष्ण कालोनी, जबलपुर (म.प्र.)-482001, शपथपूर्वक निम्न कथन करती हूँ, कि-यह कि, मेरा जन्म जिला गढ़चिरौली, भारत में हुआ है। मैं जन्म से भारतीय हूँ तथा वर्तमान में विवाह पश्चात से उपरोक्त पते की स्थाई निवासी हूँ। मेरा आधार कार्ड नं. 5293 7895 2175 है। यह कि, मेरे द्वारा भारतीय पासपोर्ट बनवाने हेतु विधिवत आवेदन किया गया है। यह कि, मेरे विरुद्ध जिला जबलपुर सहित भारतवर्ष के किसी भी थाने में कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं है न ही भारतवर्ष की किसी न्यायालय में मेरे विरूद्ध कोई प्रकरण मुकदमा आदि लंबित है न ही मुझे किसी मामले में दोषी नहीं ठहराया गया है। यह कि, विवाह पूर्व में नाम गुड्डी पिता श्री जोगिंदर सिंग विग था जो विवाह पूर्व के मेरे समस्त दस्तावेजों में मेरा यही नाम दर्ज है तथा विवाह पश्चात मेरा नाम प्रीति गुप्ता पति श्री नवीन गुप्ता हो गया है, जो कि मेरे पेनकार्ड, आधार कार्ड, परिचय पत्र सहित समस्त दस्तावेजों में मेरा विवाह पश्चात का नाम दर्ज है। यह कि, गुड्डी एवं प्रीति गुप्ता दोनों एक ही महिला यानि मुझ शपथकर्ती के ही नाम हैं मैं दोनों ही नामों से जानी व पहचानी जाती हूँ। अतः शपथ पत्र पेश है।

फिल्म 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जॉम्बीज' का ट्रेलर जारी

मुंबई। रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'प्रलय' को लेकर बॉलीवुड में काफी चर्चा है जो एक जॉम्बी-थ्रिलर होगी। उससे पहले, डिजिटल कंटेंट प्लेटफॉर्म कुकू ने अपनी पहली फीचर फिल्म 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जॉम्बीज' का धमाकेदार ट्रेलर जारी कर दिया है। इसका निर्देशन गगनजीत सिंह और आलोक द्विवेदी ने किया है और निर्माता कुंज संघवी हैं। इसकी पटकथा हुसैन दलाल और अब्बास दलाल ने लिखी है, जिन्हें शाहिद कपूर की 'फर्जी' और फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' के लिए जाना जाता है। कॉलेज के तनावपूर्ण पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक अनोखी कहानी प्रस्तुत करती है, जहां छात्रों की प्रतिस्पर्धा अचानक से भयावह मोड़ में बदल जाती है।

लाइफ Style

सारा
आलिया-दीपिका मेरी रोल मॉडल नहीं

एजेंसी ⏭ मुंबई

मैं कभी किसी और के जैसा नहीं बनना चाहती। हाल ही में सारा ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट भी शेयर किया था। इसमें उन्होंने 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की पूरी टीम, कास्ट और पर्दे के पीछे दिन-रात मेहनत करने वाले क्रू मेंबर्स का दिल से शुक्रिया अदा किया।

धुरंधर और धुरंधर 2 में अपनी शानदार एक्टिंग से सबका दिल जीतने वाली सारा अर्जुन इन दिनों सुर्खियों में हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर उनका एक 9 साल पुराना वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में नन्ही सारा से उनके रोल मॉडल के बारे में पूछा गया था जिस पर उन्होंने बड़ी ही मासूमियत और समझदारी से जवाब दिया। वायरल वीडियो में जब सारा से पूछा गया कि वह किसे अपना रोल मॉडल मानती हैं, तो उन्होंने बहुत प्यारा जवाब दिया। सारा ने कहा, "मुझे आलिया भट्ट का लुक और उनकी एक्टिंग बहुत पसंद है। मुझे आलिया और दीपिका पादुकोण दोनों ही बहुत अच्छी लगती हैं। लेकिन वे मेरी रोल मॉडल नहीं हैं, बल्कि मेरी प्रेरणा हैं। सच कहूं तो मैं बस 'सारा अर्जुन' ही बनना चाहती हूं। मैं कभी किसी और के जैसा नहीं बनना चाहती। हाल ही में सारा ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट भी शेयर किया था। इसमें उन्होंने 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की पूरी टीम, कास्ट और पर्दे के पीछे दिन-रात मेहनत करने वाले क्रू मेंबर्स का दिल से शुक्रिया अदा किया। सारा ने अपनी सफलता का श्रेय उन सभी लोगों को दिया जिन्होंने इन फिल्मों को खास बनाने में उनका साथ दिया।

हॉलीवुड मसाला

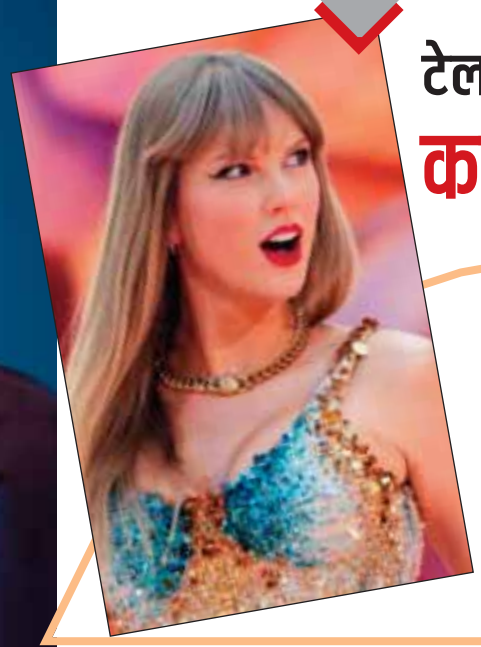

टेलर ने एआई पर कसा शिकंजा

लॉस एंजिल्स। मशहूर गायिका टेलर स्विफ्ट ने अर्टिफिशिअल इंटेलिजेंस के गलत इस्तेमाल से खुद को बचाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। उनकी कंपनी टीएएस राइट्स मैनेजमेंट ने उनकी आवाज और उनकी इमेज के लिए ट्रेडमार्क का आवेदन किया है। 24 अप्रैल, 2026 को दायर किए गए इन आवेदनों में उनके स्टेज परफॉर्मेंस का अंदाज और कुछ खास ऑडियो भी शामिल हैं। स्विफ्ट का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब एआई डीपफेक्स और नकली सेलिब्रिटी कॉन्टेंट ऑनलाइन बहुत तेजी से बढ़ रहा है। वह अकेली नहीं हैं जिन्होंने ऐसा किया हो।

'ओपेनहाइमर' की तुलना में कितना होगा 'द ओडिसी' का रनटाइम?

लॉस एंजिल्स। ऑस्कर विजेता फिल्म 'ओपेनहाइमर' के निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन इन दिनों फिल्म 'द ओडिसी' की तैयारियों में व्यस्त हैं। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है और हर अपडेट पर नजरें टिकाए हुए हैं। लोग यह जानना चाह रहे हैं कि इस फिल्म की अवधि कितनी होगी? खुद क्रिस्टोफर नोलन ने इसका जवाब दे दिया है। फिल्म 'द ओडिसी' का रनटाइम 'ओपेनहाइमर' से कम होगा। वैरायटी की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्ममेकर क्रिस्टोफर नोलन ने इस बात की पुष्टि की है कि उनकी आने वाली फिल्म 'द ओडिसी' का रनटाइम उनकी ऑस्कर-विजेता फिल्म 'ओपेनहाइमर' से कम होगा। एक इंटरव्यू में नोलन ने कहा, 'यह एक एपिक फिल्म है, जैसा कि इसका विषय मांगता है। लेकिन यह छोटी है'। 'ओपेनहाइमर', जो जे. रॉबर्ट ओपेनहाइमर और दूसरे विश्व युद्ध के दौरान परमाणु बम बनाने की कहानी पर आधारित एक बायोग्राफिकल ड्रामा है। यह फिल्म 180 मिनट लंबी थी।

30 साल बाद तब्बू के साथ बनेगी जोड़ी...

मुंबई। दिग्गज अभिनेता नागार्जुन ने अपनी 100वीं तेलुगू फिल्म 'किंग 100' की शूटिंग शुरू कर दी है। यह फिल्म का अस्थायी नाम है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि पूरे 30 साल बाद अभिनेत्री तब्बू भी इस फिल्म में उनके साथ नजर आएंगी। तब्बू ने इंस्टाग्राम पर एक पर्दे के पीछे की फोटो साझा करके यह खबर दी। उन्होंने लिखा, 'और हम #किंग100 #नागार्जुन अन्नपूर्णा स्टूडियोज के साथ शुरुआत कर रहे हैं।' बता दें, यह जोड़ी 1996 में आई उनकी सुपरहिट फिल्म 'निन्ने पेल्लाडता' के बाद अब पहली बार पर्दे पर साथ दिखेगी। नागार्जुन ने बताया तब्बू ने 'किंग 100' के लिए तुरंत हामी क्यों भरी नागार्जुन और तब्बू के बीच बहुत पुरानी दोस्ती है। नागार्जुन ने हाल ही में बताया कि तब्बू जब इंडस्ट्री में नई थीं, तब से ही उनकी दोस्ती हैं।

पंकज का छोटा रोल देख भड़क उठे नाना

मुंबई। पंकज त्रिपाठी हिंदी सिनेमा का जाना पहचाना नाम हैं। उन्होंने अपने शुरुआती करियर में बहुत संघर्ष किया है। अभिनेता ने शुरुआती समय में कई फिल्मों में छोटे-छोटे रोल भी किए। एक बार की बात है जब एक्टर नाना पाटेकर ने उन्हें एक्टिंग करते देखा, तो पंकज त्रिपाठी पर भड़क गए। साथ ही अभिनेता को एक सलाह दे डाली। इस बात का खुलासा खुद पाटेकर ने एक इंटरव्यू में किया था। पाटेकर ने एक इंटरव्यू में एक बार बताया, 'मैं 'काला' नाम की फिल्म कर रहा था रजनीकांत सर के साथ। उसी फिल्म में पंकज एक पुलिस अफिसर का रोल कर रहे थे। जब मैंने देखा, तो मैंने कहा पंकज तू यहां क्या कर रहा है? तो उन्होंने कहा कि एक छोटा सा रोल है। फिर मैंने कहा ये ऐसा रोल क्यों करते हैं आप? तो पंकज कहते हैं नहीं अन्ना थे आप थे तो काम करने का मन किया।

टीवी मसाला

'खतरों के खिलाड़ी 15' में हिना, निया जैस्मिन और भारती आएंगी नजर

नई दिल्ली। रोहित शेट्टी का स्टंट पर आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' इस साल आने को तैयार है। चूंकि यह शो 2 साल बाद टीवी पर लौट रहा है, इसलिए निर्माता इसे खास बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। प्रतियोगियों से जुड़ी आधिकारिक जानकारी तो सामने नहीं आई है, लेकिन चर्चा है कि इस बार कुछ पूर्व प्रतियोगियों पर दोबारा से दांव लगाया जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि उन पुराने चेहरों ने खुद इस बात का संकेत दिया है।

इन सितारों ने साझा किया पोस्ट : टीवी के कुछ चहेते सितारों ने अपनी-अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर उंगलियों से 'के' अक्षर बनाकर तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने 'खतरों के खिलाड़ी 15' में शामिल होने का आधिकारिक ऐलान तो नहीं किया, लेकिन उनकी तस्वीरों से संकेत जरूर मिल रहा है कि वह शो में दोबारा आ सकते हैं। इनमें हिना खान, अली गोनी, रुबीना दिलैक, निया शर्मा, करण वाही, जैस्मिन भसीन और भारती सिंह शामिल हैं। यह सभी 'खतरों के खिलाड़ी' के पुराने सीजन का हिस्सा रहे हैं।

नए चेहरों में इन सितारों की चर्चा : नए चेहरे के तौर पर 'बिग बॉस 19' का हिस्सा रहीं फरहाना भट्ट और अभिनेत्री शगुन शर्मा का नाम सामने आया है। खबरों के अनुसार, ईशा मालवीय, हर्ष गुजराल, अंकित गुप्ता, ऋषभ जायसवाल और गौरव खन्ना भी नजर आ सकते हैं। फिलहाल शो के प्रीमियर की तारीख अभी सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि इसे जून के आखिर में, या फिर जुलाई की शुरुआत में कलर्स टीवी और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित किया जा सकता है।

कपिल शर्मा के शो में आएंगे समय और रणवीर

मुंबई। कॉमेडियन कपिल शर्मा ने 29 अप्रैल को ऐलान किया था कि वह 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का एक खास एपिसोड दर्शकों के लिए ला रहे हैं।

शो का प्रसारण तो नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा, लेकिन मेहमान कौन होंगे? यह जानने के लिए दर्शक बेताब थे। आखिरकार कॉमेडियन ने एक प्रोमो जारी करते हुए बता दिया है कि शो में चर्चित यूट्यूबरों समय रैना और रणवीर अल्लाहबादिया की एंट्री होगी। कपिल के इस खास एपिसोड का प्रसारण विश्व हास्य दिवस पर यानी 2 मई को नेटफ्लिक्स पर होगा। प्रोमो में रैना बताते हैं कि वह शो में बतौर मेहमान शामिल होंगे, लेकिन उन्हें नहीं पता कि दूसरा मेहमान कौन होगा। तभी रणवीर आते हैं, जिन्हें देखकर रैना झुंझलाने लगते हैं। कुल मिलाकर एपिसोड काफी धमाकेदार होगा। बता दें, पिछले साल अपने शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' को लेकर हुए एक विवाद के चलते रैना और रणवीर काफी चर्चा में रहे थे।

'राजा शिवाजी' में 'छत्रपति' बने रितेश
इन फिल्मों ने बनाया तारीफ के काबिल

मुंबई। रितेश देशमुख ने कई साल पहले मराठा साम्राज्य के वीर योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी पर फिल्म बनाने का सपना देखा था। 1 मई को उनका यह सपना साकार होने वाला है, क्योंकि उनकी ऐतिहासिक फिल्म 'राजा शिवाजी' रिलीज हो रही है। हर बार अपने अभिनय से दर्शकों को चौंकाने वाले रितेश ने हर शैली में खुद को शानदार तरीके से स्थापित किया है। यहां देखिए उनकी वो फिल्में, जिन्होंने उन्हें जनका की तारीफ का हकदार बनाया है।

***'एक विलेन'* :** मोहित सूरी द्वारा निर्देशित फिल्म 'एक विलेन' 2014 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और श्रद्धा कपूर मुख्य किरदार में हैं, जबकि रितेश ने एक क्रूर सीरियल किलर का किरदार निभाया है। हमेशा फिल्मों में अपनी कॉमेडी से दर्शकों को हंसाने वाले रितेश ने अपने इस किरदार से लोगों को चौंका दिया था। पहली बार उन्हें विलेन बने देखना दिलचस्प था। अपनी गंभीर थीम और सदाबहार गानों के कारण फिल्म भी जबरदस्त हिट साबित हुई थी।

'बाघी 3' और 'वेद' ऊ : टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बाघी 3' में, रितेश को एक पुलिस वाले किरदार में देखा गया था। एक भोले-भाले समर्पित पुलिसकर्मी और बड़े भाई के भावनात्मक गहरे भावों को उन्होंने पर्दे पर बखूबी निभाया। यह उनकी यादगार भूमिकाओं में से एक फिल्म है। 2022 में उन्हें खुद के द्वारा अभिनीत और निर्देशित फिल्म 'वेद' में देखा गया। इस रोमांटिक-थ्रिलर फिल्म में उन्होंने दमदार किरदार निभाकर दर्शकों से खूब प्रशंसा हासिल की थी। फिल्म में जेनेलिया डिसूजा भी नजर आई थीं।

***'हाउसफुल फ्रैंचाइजी', 'धमाल फ्रैंचाइजी' और 'रेड 2'* :** अक्षय कुमार की कॉमेडी फ्रैंचाइजी 'हाउसफुल' की 5 किस्तें आ चुकी हैं और रितेश शुरुआत से इसका हिस्सा रहे हैं। फिल्म में उन्होंने मजेदार कॉमिक किरदार निभाया है। वहीं 'धमाल फ्रैंचाइजी' भी रितेश की यादगार फिल्मों में से एक है। देशबंधु रॉय के किरदार में उन्होंने शुरू से लेकर आखिर तक दर्शकों को हंसाया है। इसके अलावा, अजय देवगन की 'रेड 2' (2025) में भ्रष्ट राजनेता बनकर उन्होंने हर किसी को चौंका दिया। उनके किरदार को काफी सराहना मिली थी।

हाथ में हो चाय की गिलास हो, शूटिंग करता रहूं और गिर जाऊं, फिर...

मुंबई। फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह के किरदार ने अमजद खान को बहुत ज़्यादा शोहरत दिलाई और उनके करियर को एक बिल्कुल ही अलग मुकाम पर पहुंचा दिया था। अभिनेता अब इस दुनिया में तो नहीं हैं, लेकिन एक बार उन्होंने अपनी अंतिम इच्छा जाहिर की थी। सिनेमाई दुनिया में ऐसे बहुत कम कलाकार होते हैं, जो किसी भी किरदार को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेते हैं। कुछ ऐसे ही थे अभिनेता अमजद खान। आज भी लोग उनके नाम से नहीं, बल्कि 'शोले' में 'गब्बर सिंह' के किरदार से जानते हैं। अमजद खान ने उस भूमिका ने दर्शकों के मन में ऐसी छाप छोड़ी थी कि लोगों को उन्हें किसी और भूमिका में देखना मुश्किल हो गया था। वे जहां भी जाते थे, लोग उन्हें 'गब्बर सिंह' कहकर ही पुकारते थे। 1992 में अमजद खान ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया था लेकिन क्या आपको पता है कि एक्टर की मरने से पहले अंतिम इच्छा क्या थी, जिसका जिक्र उन्होंने एक इंटरव्यू में किया था।

क्या थी अंतिम इच्छा : एक इंटरव्यू के दौरान अमजद खान से पत्रकार ने पूछा कि जीवन के अंतिम समय में वह अपने आपको किस हालत में देखना चाहते हैं। और किस तरह से मरना पसंद करेंगे। इस पर अभिनेता ने जवाब

दिया कि वह चाहते हैं कि उनके हाथ में चाय की गिलास हो दूसरे हाथ में पेंशन की सिगरेट हो। इसके अलावा उन्होंने कहा कि मेरे बच्चे मेरे चारों तरफ हो और मैं शूटिंग करता रहूं और गिर जाऊं. फिर कभी ना उठूं।

एक नजर अमजद खान के करियर पर : अमजद खान के कुछ सबसे यादगार किरदार, जिन्होंने एक अभिनेता के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को साबित किया। इस लिस्ट में 'शतरंज के खिलाड़ी', 'कुरबानी', 'याराना', 'लव स्टोरी' और 'उत्सव' जैसे फिल्में शामिल हैं। एक बेहतरीन अभिनेता होने के अलावा, अमजद खान एक नेकदिल इंसान भी थे। उन्होंने फिल्म जगत में कभी किसी के बारे में बुरा नहीं कहा और हमेशा लोगों की मदद करने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किया।

12 जनवरी 1982 को दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली

महज 19 की उम्र में मां बन गईं थी शक्ति कपूर की पत्नी

__मुंबई।__ बॉलीवुड की दुनिया में शक्ति कपूर का नाम खतरनाक विलेन्स में लिया जाता है। अभिनेता को 80 की दशक की मशहूर अभिनेत्री शिवांगी कोल्हापुरे से प्यार हो गया और दोनों ने शादी का मन बनाया लेकिन एक्ट्रेस का परिवार इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं था। इसलिए शक्ति कपूर अपनी प्रेमिका को उनके घर से भगा ले गए और शादी कर ली। इसके बाद महज 19 की उम्र में अभिनेता एक बेटे के पिता बन गए थे। चलिए जानते हैं दोनों की लव स्टोरी।

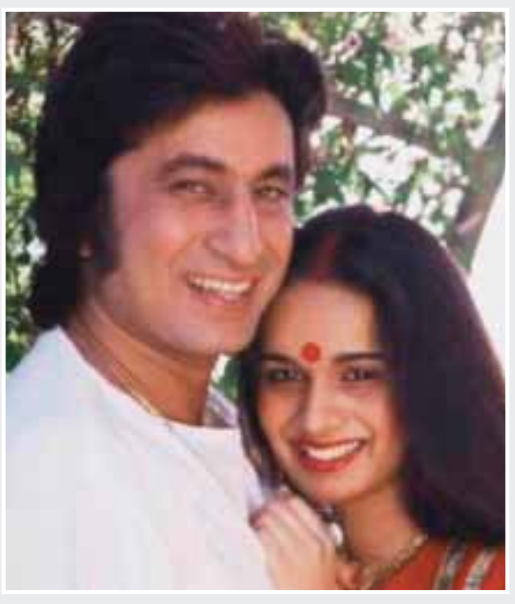

कब हुई थी दोनों की मुलाकात?

दोनों की पहली मुलाकात साल 1980 में आई फ़िल्म 'किस्मत' के सेट पर हुई थी, जिसका निर्देशन भीष्म कोहली ने किया था। इत्तेफ़ाक से, इस फ़िल्म में मिथुन चक्रवर्ती मुख्य भूमिका में थे और शक्ति कपूर एक क्लासिक विलेन का किरदार निभा रहे थे। लेकिन, जैसा कि किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। फिल्म में पहले पद्मिनी कोल्हापुरे को कास्ट किया जाना था, लेकिन उनकी डेट्स उपलब्ध न होने के कारण उनकी जगह उनकी छोटी बहन शिवांगी कोल्हापुरे को ले लिया गया। इस फ़िल्म ने इन दोनों को करीब लाने में अहम भूमिका निभाई। शिवांगी कोल्हापुरे को पहली नजर में ही प्यार हो गया था।

घर से भागकर की शादी

शक्ति कपूर और शिवांगी कोल्हापुरे को एक-दूसरे से प्यार हो गया और दोनों ने शादी का मन बनाया लेकिन बताया जाता है कि शिवांगी कोल्हापुरे का परिवार इसके खिलाफ था। फिर दोनों ने घर से भागकर शादी करने का फैसला किया लेकिन ऐसा करना सोचने से कहीं ज़्यादा मुश्किल था, क्योंकि उनके परिवार को पहले ही इसकी भनक लग चुकी थी और उन्होंने शिवांगी को घर के अंदर ही बंद कर दिया था। इसके बावजूद, वह किसी तरह अपने घर से भाग निकलने में कामयाब रहीं। फिर 12 जनवरी 1982 को दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली। उस समय अभिनेत्री मुश्किल से अठारह साल की थीं। इसके बाद शिवांगी कोल्हापुरे के परिवार वाले इतने चिढ़ गए थे कि उन्होंने सारा रिश्ता खत्म कर लिया।

19 साल की उम्र में बनी मां

अभिनेता शक्ति कपूर ने एक इंटरव्यू में बताया, 'जब वह (शिवांगी कोल्हापुरे) 19 साल की थीं, तब मेरे बेटे सिद्धांत का जन्म हुआ। हमारी शादी के बाद यह पहली बार था जब शिवांगी की मां ने उनसे बात की थी, जब वह ब्रीच कैंडी अस्पताल में उनसे मिलने आई थीं।' साल 1987 में श्रद्धा कपूर का जन्म हुआ, जो आज एक मशहूर अभिनेत्री हैं।